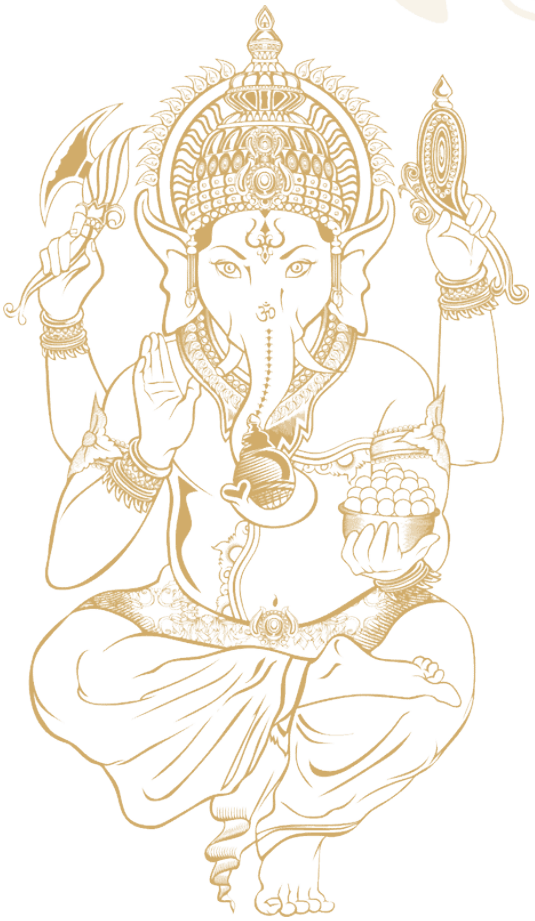

Radhika

15 Aug 2017

09:45 AM

Chandigarh Mandir

Model: web-freekundliweb

Order No: 121582503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/08/2017**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	09:50:45 घटी
स्थान	**Chandigarh Mandir**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:44:00 उत्तर
रेखांश	76:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:22:36 घंटे
वेलान्तर	-00:04:29 घंटे
साम्पातिक काल	06:57:40 घंटे
सूर्योदय	05:48:41 घंटे
सूर्यास्त	19:04:26 घंटे
दिनमान	13:15:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:26:12 कर्क
लग्न के अंश	18:22:38 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:22:38	311:40:45	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	28:26:12	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	00:04:57	14:08:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल		अ	कर्क	22:22:40	00:38:21	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध	व	अ	सिंह	17:19:54	00:11:44	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	24:59:39	00:09:36	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	22:51:34	01:10:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	27:10:03	00:01:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	00:07:01	00:00:12	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:07:01	00:00:12	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	04:22:03	00:00:35	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	19:18:49	00:01:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	23:12:35	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मिथु	19:10:13	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:02

लग्न-चलित

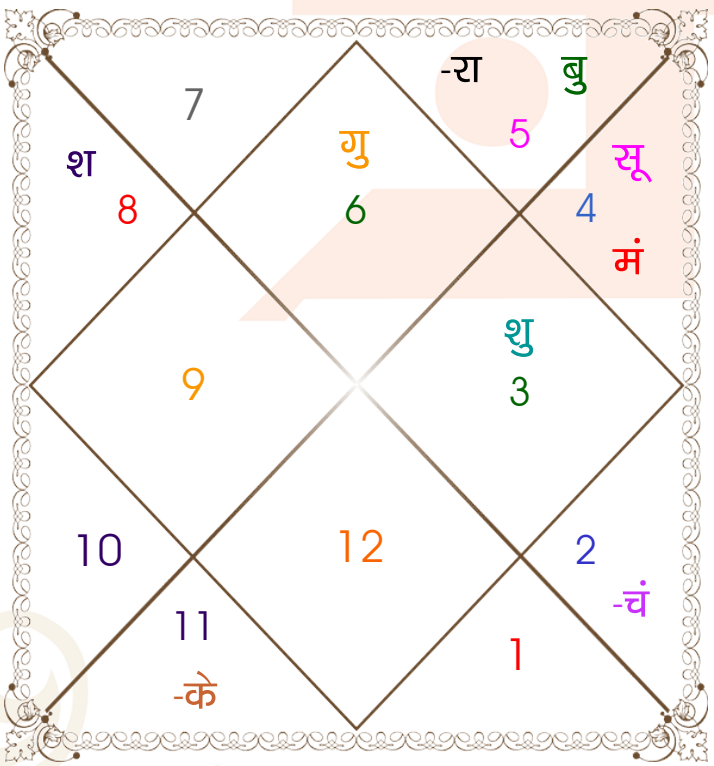

चन्द्र कुंडली

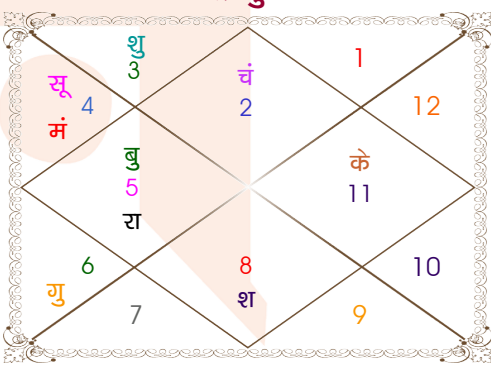

नवमांश कुंडली

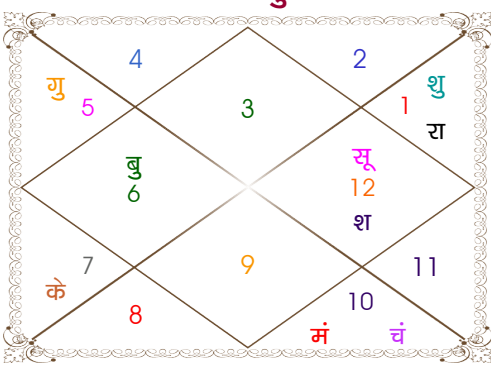

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 5 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/08/2017		31/01/2022		31/01/2032		31/01/2039		31/01/2057	
31/01/2022		31/01/2032		31/01/2039		31/01/2057		31/01/2073	
	00/00/0000	चंद्र	01/12/2022	मंगल	29/06/2032	राहु	13/10/2041	गुरु	21/03/2059
	00/00/0000	मंगल	02/07/2023	राहु	17/07/2033	गुरु	08/03/2044	शनि	01/10/2061
	15/08/2017	राहु	31/12/2024	गुरु	23/06/2034	शनि	13/01/2047	बुध	07/01/2064
राहु	18/02/2018	गुरु	02/05/2026	शनि	02/08/2035	बुध	01/08/2049	केतु	13/12/2064
गुरु	07/12/2018	शनि	02/12/2027	बुध	29/07/2036	केतु	20/08/2050	शुक्र	14/08/2067
शनि	19/11/2019	बुध	02/05/2029	केतु	25/12/2036	शुक्र	20/08/2053	सूर्य	01/06/2068
बुध	25/09/2020	केतु	01/12/2029	शुक्र	24/02/2038	सूर्य	14/07/2054	चंद्र	01/10/2069
केतु	31/01/2021	शुक्र	02/08/2031	सूर्य	02/07/2038	चंद्र	13/01/2056	मंगल	07/09/2070
शुक्र	31/01/2022	सूर्य	31/01/2032	चंद्र	31/01/2039	मंगल	31/01/2057	राहु	31/01/2073

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/01/2073		31/01/2092		01/02/2109		01/02/2116		01/02/2136	
31/01/2092		01/02/2109		01/02/2116		01/02/2136		00/00/0000	
शनि	04/02/2076	बुध	29/06/2094	केतु	30/06/2109	शुक्र	03/06/2119	सूर्य	21/05/2136
बुध	14/10/2078	केतु	26/06/2095	शुक्र	30/08/2110	सूर्य	02/06/2120	चंद्र	20/11/2136
केतु	22/11/2079	शुक्र	26/04/2098	सूर्य	05/01/2111	चंद्र	01/02/2122	मंगल	28/03/2137
शुक्र	22/01/2083	सूर्य	03/03/2099	चंद्र	06/08/2111	मंगल	03/04/2123	राहु	16/08/2137
सूर्य	04/01/2084	चंद्र	02/08/2100	मंगल	02/01/2112	राहु	03/04/2126		00/00/0000
चंद्र	04/08/2085	मंगल	30/07/2101	राहु	20/01/2113	गुरु	02/12/2128		00/00/0000
मंगल	13/09/2086	राहु	17/02/2104	गुरु	26/12/2113	शनि	01/02/2132		00/00/0000
राहु	20/07/2089	गुरु	25/05/2106	शनि	04/02/2115	बुध	02/12/2134		00/00/0000
गुरु	31/01/2092	शनि	01/02/2109	बुध	01/02/2116	केतु	01/02/2136		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 5 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।